नेपा मिल में मनाया महिला दिवस

आधुनिक भारत में नारी शक्ति विषय पर हुई विचार संगोष्ठी

जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता करते हैं निवास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. नेपा लिमिटेड में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। आधुनिक भारत में नारी शक्ति विषय पर विचार संगोष्ठी हुई। प्रशासनिक भवन के केंद्रीय सभागार में हुए समारोह में संस्थान के निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक ने शुभारंभ किया गया।

उन्होंने महिला कर्मियों से कहा जहां नारियों की पूजा होती हैं वहां देवता निवास करते हैं। शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, समाजसेवा और राजनीति में तो काफी समय से महिलाएं अपना परचम लहरा रही है, लेकिन अब हर क्षेत्र मे महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं।

1975 में हुई थी शुरुआत

प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन ज्ञानेश्वर खैरनार ने कहा कि युनाइटेड नेशंस ने 8 मार्च 1975 को महिला दिवस मनाने की शुरुआत की थी। 8 मार्च का यह खास दिन महिलाओं को समान हक और सम्मान को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए भारत सहित पूरे विश्व में मनाया जाता है। कंपनी सचिव निधि मिश्रा ने कहा कि महिला दिवस महिला सशक्तिकरण की तरफ एक कदम है। इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लुजन है। इंस्पायर इंक्लुजन का अर्थ है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना। इस थीम का अर्थ एक ऐसे समाज निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें। सशक्त महसूस कर सकें।

नेपा लिमिटेड में रखा जाता है महिलाओं का सम्मान

आइटी की सहायक अधिकारी आभा महतो ने बताया कि नेपा लिमिटेड में हर प्रकार से महिलाओं के सम्मान का ध्यान रखा जाता है। मुझे गर्व है कि यहा कोई भी महिला उत्पीड़न देखने में कभी नहीं आया। उप प्रबंधक वित्त व लेखा सीएन वर्मा, वाणिज्य विभाग के सहायक अधिकारी निलेश पाटिल, महिला कर्मियों में कार्मिक विभाग की सुषमा गौर, सौम्या क्षोत्रिय, वाणिज्य विभाग की संगीता लाल, विधि विभाग की काजोल बुगीवाला, लक्ष्मी सेन, माधुरी धामन्देकर, नम्रता पाटिल, सपना दुबे, मीना श्रीवास्तव, अदिति कलोसिया, संपदा विभाग की निशा प्रजापति, छाया महाजन, कनक गुरव जीनत खान आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम आयोजित शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया, नेपा लिमिटेड में आधुनिक भारत में नारी शक्ति विषय पर हुई संगोष्ठी

जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं : प्रदीप कुमार

संबोधित करते हुए।

नेपानगर। एशिया महाद्वीप की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पेपर मिलो में शुमार नेपा लिमिटेड ने हर साल की तरह इस साल भी शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। आधुनिक भारत में नारी शक्ति विषय पर विचार संगोष्ठी हुई। नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन के केंद्रीय सभागार में कार्यक्रम का संस्थान के निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाईक ने शुभारंभ किया। नाईक ने महिला कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः अर्थात जहां नारियों की पूजा होती है। वहां देवता निवास करते हैं। किसी जमाने में चूल्हा, चौका तक सीमित रहने वाली महिलाएं अब पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। कई क्षेत्र में तो महिलाएं पुरुषों से भी आगे निकल रही हैं। शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, समाजसेवा और राजनीति में तो काफी समय से महिलाएं अपना परचम लहरा रही हैं, लेकिन अब हर क्षेत्र में महिलाएं पहचान बना रही हैं।

प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन ज्ञानेश्वर खैरनार ने ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर कहा हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। युनाइटेड नेशन्स ने 8 मार्च 1975 को महिला दिवस मनाने की शुरुआत की थी। 8 मार्च का यह खास दिन महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए भारत सहित पूरे विश्व में मनाया जाता है। कंपनी सचिव निधि मिश्रा ने कहा महिला दिवस

9406689018

नेपा लिमिटेड ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

चूल्हा, चौका तक सीमित रहने वाली महिलाएं अब पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही : नाइक

नेपानगर, (निप्र)। नेपा लिमिटेड ने शुक्रवार को प्रशासनिक भवन के केंद्रीय सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। धुनिक भारत में नारी शक्ति विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन भी हुआ। संस्थान के निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाईक द्वारा शुभारंभ कर महिला कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः अर्थात जहाँ नारियों की पूजा होती है वहां देवता निवास करते है। किसी जमाने में चूल्हा, चौका तक

सीमित रहने वाली महिलाएं अब पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। कई क्षेत्र में तो महिलाएं पुरुषों से भी आगे निकल रही हैं। शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, समाज सेवा और राजनीति में तो काफी समय से महिलाएं अपना परचम लहराते हुए अपनी पहचान बना रही है।प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन ज्ञानेश्वर खैरनार ने कहा कि यूनाइटेड नेशन्स ने 8 मार्च 1975 को महिला दिवस मनाने की शुरूआत की थी। यह खास दिन महिलाओं को समान हक और सम्मान को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए भारत सहित पूरे विश्व में मनाया जाता है। कंपनी सचिव निधि मिश्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिला सशक्तिकरण की तरफ एक कदम है। इस दिन का मकसद महिलाओं की उन्नति और विकास को प्रोत्साहित करना भी है। इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लूजन है। इंस्पायर इंक्लूजन का अर्थ है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना। आईटी विभाग की सहायक अधिकारी आभा महतो ने बताया कि नेपा लिमिटेड में मैं पिछले तीन दशक से भी अधिक समय से कार्यरत हूं। यहां पर हर प्रकार से महिलाओं के सम्मान का ध्यान रखा जाता है। इस अवसर पर उप प्रबंधक वित्त एवं लेखा सीएन वर्मा, वाणिज्य विभाग के सहायक अधिकारी निलेश पाटिल, महिला कर्मियों में कार्मिक विभाग की सुषमा गौर, सौम्या शोत्रिय, वाणिज्य विभाग की संगीता लाल, विधि विभाग की काजोल बुग्गीवाला, लक्ष्मी सेन, माधुरी धामन्देकर, नम्रता पाटिल, सपना दुबे, मीना श्रीवास्तव, अदिति कलोसिया, संपदा विभाग की निशा प्रजापति, छाया महाजन, कनक गुरव, जीनत खान आदि उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

नेपानगर। एशिया महाद्वीप की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पेपर मिलों में शुमार नेपा लिमिटेड ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। आधुनिक भारत में नारी शक्ति विषय पर विचार संगोष्ठी हुई। नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन के केंद्रीय सभागार में संस्थान निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाईक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री नाईक ने कहा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः अर्थात जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किसी जमाने में चूल्हा, चौका तक सीमित रहने वाली महिलाएं अब पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। कई क्षेत्र में तो महिलाएं पुरुषों से भी आगे निकल रही हैं। शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, समाजसेवा और राजनीति में तो काफी समय से महिलाएं अपना परचम लहरा रही हैं, लेकिन अब हर क्षेत्र मे महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं।

प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन ज्ञानेश्वर खैरनार ने कहा कि युनाइटेड नेशन्स ने 8 मार्च 1975 को महिला दिवस मनाने की शुरुआत की थी। 8 मार्च का यह खास दिन महिलाओं को समान हक और सम्मान को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए भारत सहित विश्व में मनाया जाता है। कंपनी सचिव निधि मिश्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिला सशक्तिकरण की तरफ एक कदम है। इस दिन का मकसद महिलाओं की उन्नति और विकास को प्रोत्साहित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लुजन है। इस थीम का अर्थ महिलाओं के लिए एक ऐसे समाज के निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें, सशक्त महसूस कर सकें। आईटी विभाग की सहायक अधिकारी आभा महतो ने बताया कि नेपा लिमिटेड में मैं पिछले तीन दशक से भी अधिक समय से कार्यरत हूं। यहां पर हर प्रकार से महिलाओं के सम्मान का ध्यान रखा जाता है। मुझे गर्व है कि मेरे इस संस्थान में किसी भी प्रकार का कोई भी महिला उत्पीडन मेरे देखने में कभी नहीं आया हैं। यहां महिला कर्मियों की सुरक्षा और सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाता है। उप प्रबंधक वित्त एवं लेखा सीएन वर्मा, वाणिज्य विभाग के सहायक अधिकारी निलेश पाटिल, महिला कर्मियों मे कार्मिक विभाग की सुषमा गौर, सौम्या क्षोत्रिय, वाणिज्य विभाग की संगीता लाल, काजोल बुग्गीवाला, लक्ष्मी सेन, माधुरी धामन्देकर, नम्रता पाटिल, सपना दुबे, मीना श्रीवास्तव, अदिति कलोसिया, संपदा विभाग की निशा प्रजापति, छाया महाजन, कनक गुरव, जीनत खान उपस्थित थे।